

समुद्र - सागर - sea - पृथ्वी की सतह के 70 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में फैला, सागर, खारे पानी का एक सतत निकाय है। पृथ्वी पर जलवायु को संयमित करने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता को बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में सागर अत्यावश्यक भूमिका निभाते हैं। प्राचीन काल से लोग सागर की यात्रा करने और इसके रहस्यों को जानने की कोशिश में लगे रहे हैं, परन्तु माना जाता है कि सागर के वैज्ञानिक अध्ययन, जिसे समुद्र विज्ञान कहते हैं, की शुरुआत कप्तान जेम्स कुक द्वारा 1768 और 1779 के बीच प्रशान्त महासागर के अन्वेषण के लिए की गयीं समुद्री यात्राओं से हुई। सागर के पानी की विशेषता इसका खारा या नमकीन होना है। पानी को यह खारापन मुख्य रूप से ठोस सोडियम क्लोराइड द्वारा मिलता है, लेकिन पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम के क्लोराइड के अतिरिक्त विभिन्न रासायनिक तत्व भी होते हैं जिनका संघटन पूरे विश्व में फैले विभिन्न सागरों में बमुश्किल बदलता है। हालाँकि पानी की लवणता में भीषण परिवर्तन आते हैं, जहाँ यह पानी की ऊपरी सतह और नदियों के मुहानों पर कम होती है वहीं यह पानी की ठंडी गहराइयों में अधिक होती है। सागर की सतह पर उठती लहरें इनकी सतह पर बहने वाली हवा के कारण बनती है। भूमि के पास उथले पानी में पहुँचने पर यह लहरें मंद पड़ती हैं और इनकी ऊँचाई में वृद्धि होती है, जिसके कारण यह अधिक ऊँची और अस्थिर हो जाती हैं और अंततः सागर तट पर झाग के रूप में टूटती हैं। सुनामी नामक लहरें समुद्र तल पर आये भूकंप या भूस्खलन की वजह से उत्पन्न होती है और सागर के बाहर बमुश्किल दिखाई देती हैं, लेकिन किनारे पर पहुँचने पर यह लहरें प्रचंड और विनाशकारी साबित हो सकती हैं।



कलाकार - छबिकार - Picture कलाकार वह व्यक्ति होता है, जो कलाकृति बनाने, कला का अभ्यास या प्रदर्शन करने से संबंधित किसी गतिविधि में प्रवृत्त होता है। किंतु रोजमर्रा के भाषण और शैक्षणिक प्रवचन दोनों में इस शब्द का उपयोग सामान्यतः दृश्य कला के संदर्भ में होता है। किंतु प्रायः इस शब्द का

प्रयोग मनोरंजन के संदर्भ में संगीतकारों और अभिनेताओं के लिए भी किया जाता है।



सीपियाँ Oysters सीपिया (Ssepia) आमतौर पर पहचानने वाली कटलफिश से निकलने वाला सूखाया हुआ भूरा व नीले रंग की श्याही होती है। यह साव जो इस जन्तु द्वारा निकाला जाता है वह इसके लिए रक्षा कवच का काम करता है। यह अंगूर के जितने आकार की थैली में भरा रहता है व यहीं से इसे निकालकर सुखाया जाता है। सूख जाने पर यह पानी में घुलता नहीं है, लेकिन देर तक पड़े रहने पर धीरे-२ घुल जाता है व नीचे बैठ जाता है। यह दवा ट्राइटेशन की विधि से तैयार की जाती है।



कौड़िया - Clamshell कुछ समुद्री जीवों के शरीर के बाहरी, कठोर सुरक्षा स्तर को कौड़ी (seashell या shell) कहते हैं।



शंख – कौंच-शंख - Conch शंख एक सागर के जलचर का बनाया हुआ ढाँचा है, जो कि ज्यादातर पेचदारवामावर्त या दक्षिणावर्त में बना होता है। यह हिन्दु धर्म में अति पवित्र माना जाता है। यह धर्म का प्रतीक माना जाता है। यह भगवान विष्णु के दाएं ऊपरी हाथ में शोभा पाता दिखाया जाता है। धर्मिक अवसरों पर इसे फूँक कर बजाया भी जाता है। शैव मत में शंख को पूजा में वर्जित माना गया है।



box
easy

जाल निवल net जाल या ताना रस्सियों सूतो या रेशों का व्यूह होता है जिसके पार मछली, मच्छर इत्यादि नहीं जा सकते हैं।



तालाब - टंकी - Pond तालाब या पोखर ऐसे जल-भरे गड्ढे को कहते हैं जो झील से छोटा हो, हालाँकि झील और तालाब के आकारों में अंतर बताने के लिये कोई औपचारिक मापदंड नहीं है। इनका मोटा-मोटा नाप लगभग २ हेक्टेयर से ८ हेक्टेयर तक का होता है। यूनाइटेड किंगडम में चैरिटी पॉण्ड कन्ज़र्वेशन नामक संस्था की परिभाषा के अनुसार 'तालाब एक कृत्रिम या प्राकृतिक जलाशय है जिसका सतही माप १ वर्ग मी. और २ हेक्टेयर के बीच हो और जिसमें वर्ष में कम से कम चार माह जल भरा रहे।



बतख - हंस - Duck बतख ऐनाटीडे प्रजातियों के पक्षियों का एक आम नाम है जिसमें कलहंस और हंस भी शामिल है। बतख कई अन्य सह प्रजातियों व परिवारों में बाटी हुई है पर फिर भी यह मोनोफेलटिक (एक आम पैतृक प्रजातियों के सभी सन्तान के समूह) नहीं कहलाई जाती। जैसे की हंस और कलहंस इस प्रजाति में होकर भी बतख नहीं कहलाते। बतख ज्यादातर जलीय पक्षियों की तुलना में छोटे होते हैं व दोने ताजा और समुद्री पानी में पायी जाती है।

बतखे कई बार इन जैसे ही दिखने वाली या सम्बंधित पक्षियों से जो की इसी प्रकार से विचरण करते हैं जसी की लूस, ग्रेबेस, कूटस आदि से ब्रह्मित की जाती है।



तैरना तैरना swim तरण या तैराकी एक जलक्रीड़ा है। इसके अन्तर्गत अपने हाथ-पैर की सहायता से जल में गति करना होता है जो किसी कृत्रिम साधन के बिना किया जाता है। ... पानी में स्थिर रहने का यह ढंग पहले सीखना चाहिए। शरीर में सिर सब से भारी अवयव है, जिससे नाक को और प्राणियों की तरह पानी के ऊपर रखकर तैरना आरंभ में कठिन होता है।



nbox
easy

नावें नाव Boat नाव या नौका (boat) डाँड़, क्षेपणी, चप्पू, पतवार या पाल से चलने वाली एक प्रकार की छोटी जलयान है। आजकल नावें इंजन से भी चलने लगी हैं और इतनी बड़ी भी बनने लगी हैं कि पोत (जहाज) और नौका (नाव) के बीच भेद करना कठिन हो जाता है। वास्तव में पोत और नौका दोनों समानार्थक शब्द हैं, किंतु प्रायः नौका शब्द छोटे के और पोत बड़े के अर्थ में प्रयुक्त होता है।



मछलियाँ Fish मछली शल्कों वाला एक जलचर है जो कि कम से कम एक जोड़े पंखों से युक्त होती है। मछलियाँ मीठे पानी के स्त्रोतों और समुद्र में बहुतायत में पाई जाती हैं। समुद्र तट के आसपास के इलाकों में मछलियाँ खाने और पोषण का एक प्रमुख स्रोत हैं। कई सभ्यताओं के साहित्य, इतिहास एवं उनकी संस्कृति में मछलियों का विशेष स्थान है। इस दुनिया में मछलियों की कम से कम 28,500 प्रजातियाँ पाई जाती हैं जिन्हें अलग-अलग स्थानों पर कोई 2,18,000 भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है। इसकी परिभाषा कई मछलियों को अन्य जलीय प्राणियों से अलग करती है, यथा ह्वेल एक मछली नहीं है। परिभाषा के मुताबिक, मछली एक ऐसी जलीय प्राणी है जिसकी रीढ़ की हड्डी होती है (कशेरुकी जन्तु), तथा आजीवन गलफड़े (गिल्स) से युक्त होती हैं तथा अगर कोई डालीनुमा अंग होते हैं (लिंग) तो वे फ़िन के रूप में होते हैं।



easy

चट्टान - शिला - Rock पृथ्वी की ऊपरी परत या भू-पटल (क्रस्ट) में मिलने वाले पदार्थ चाहे वे ग्रेनाइट तथा बालुका पत्थर की भांति कठोर प्रकृति के हो या चाक या रेत की भांति कोमल; चाक एवं लाइमस्टोन की भांति प्रवेश्य हों या स्लेट की भांति अप्रवेश्य हों, चट्टान अथवा शैल (रॉक) कहे जाते हैं। इनकी रचना विभिन्न प्रकार के खनिजों का सम्मिश्रण हैं। चट्टान कई बार केवल एक ही खनिज द्वारा निर्मित होती है, किन्तु सामान्यतः यह दो या अधिक खनिजों का योग होती हैं। पृथ्वी की पपड़ी या भू-पृष्ठ का निर्माण लगभग २,००० खनिजों से

हुआ है, परन्तु मुख्य रूप से केवल २० खनिज ही भू-पटल निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। भू-पटल की संरचना में ऑक्सीजन ४६.६%, सिलिकन २७.७%, एल्यूमिनियम ८.१ %, लोहा ५%, कैल्शियम ३.६%, सोडियम २.८%, पोटैशियम २.६% तथा मैग्नेशियम २.१% भाग का निर्माण करते हैं।

